



Mr.?????? ????????

09 Jul 1997

03:45 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120200102

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग _____
8-09/07/1997 : _____ जन्म तिथि _____ : **09/07/2025**
 मंगल-बुधवार : _____ दिन _____ : बुधवार
 घंटे 03:45:00 : _____ जन्म समय _____ : 07:54:15 घंटे
 घटी 55:38:07 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 05:59:50 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:29:45 : _____ सूर्योदय _____ : 05:30:19
 19:22:11 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:22:08
 23:49:19 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:52
 वृष : _____ लग्न _____ : कर्क
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : चन्द्र
 सिंह : _____ राशि _____ : धनु
 सूर्य : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 मघा : _____ नक्षत्र _____ : मूल
 केतु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : केतु
 3 : _____ चरण _____ : 1
 सिद्धि : _____ योग _____ : ब्रह्म
 विष्टि : _____ करण _____ : गर
 मू-मुकेश : _____ जन्म नामाक्षर _____ : ये-येनी
 कर्क : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : कर्क
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : क्षत्रिय
 वनचर : _____ वश्य _____ : मानव
 मूषक : _____ योनि _____ : श्वान
 राक्षस : _____ गण _____ : राक्षस
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : आद्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : मृग
 28 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 29

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मृगशिरा	2	28:17:13	वृष			लग्न			कर्क	22:45:45	2	आश्लेषा
पुनर्वसु	1	22:56:36	मिथु			सूर्य			मिथु	22:56:36	1	पुनर्वसु
मघा	3	09:35:04	सिंह			चंद्र			धनु	02:24:26	1	मूल
हस्त	2	15:29:49	कन्या			मंगल			सिंह	18:17:07	2	पू०फाल्गुनी
पुष्य	2	07:30:02	कर्क			बुध			कर्क	18:11:46	1	आश्लेषा
धनिष्ठा	2	26:49:26	मक व			गुरु			मिथु	12:26:25	2	आर्द्रा
आश्लेषा	1	18:30:05	कर्क			शुक्र			वृष	10:43:04	1	रोहिणी
रेवती	3	26:03:28	मीन			शनि			मीन	07:42:22	2	उ०भाद्रपद
उ०फाल्गुनी	1	27:53:06	सिंह व			राहु व			कुंभ	26:14:11	2	पू०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	3	27:53:06	कुंभ व			केतु व			सिंह	26:14:11	4	पू०फाल्गुनी
श्रवण	2	13:41:04	मक व			मु			कन्या	28:17:13	2	चित्रा

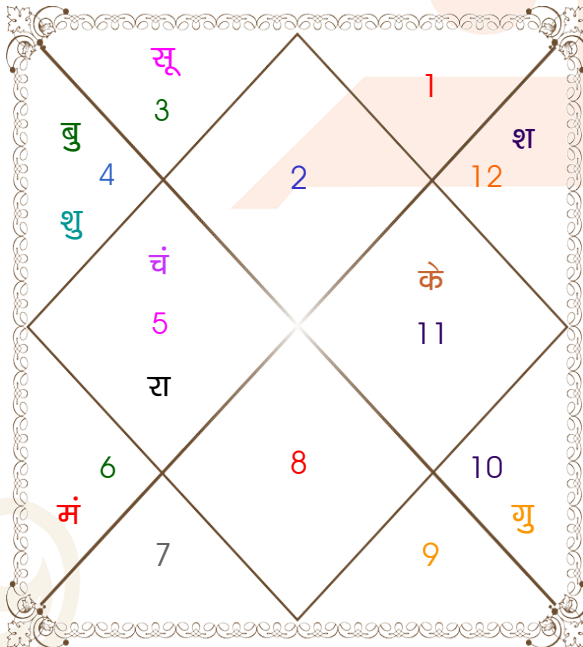
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

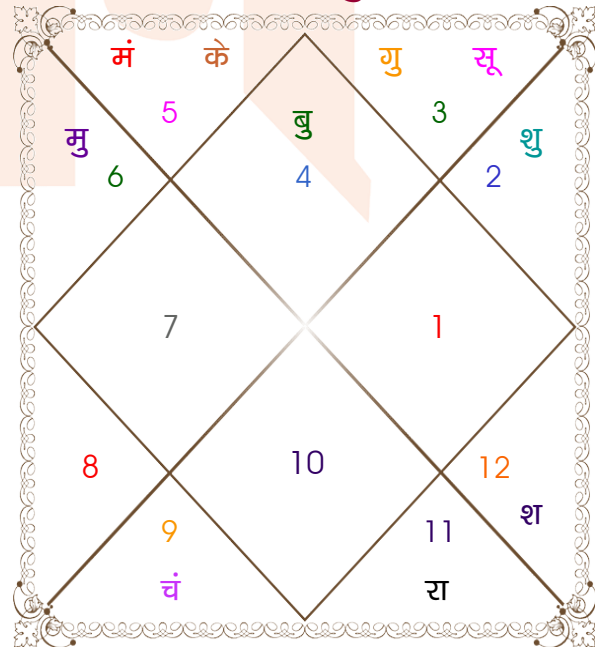
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:52

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - चंद्र - शनि	चंद्र - चंद्र - बुध	चंद्र - चंद्र - केतु	चंद्र - चंद्र - शुक्र
03/11/2025 21:33	22/12/2025 02:11	03/02/2026 05:03	20/02/2026 23:11
22/12/2025 02:11	03/02/2026 05:03	20/02/2026 23:11	12/04/2026 16:41
शनि 11/11/2025 12:41	बुध 28/12/2025 04:47	केतु 04/02/2026 05:54	शुक्र 01/03/2026 10:06
बुध 18/11/2025 08:32	केतु 30/12/2025 17:09	शुक्र 07/02/2026 04:56	सूर्य 03/03/2026 22:58
केतु 21/11/2025 04:00	शुक्र 06/01/2026 21:38	सूर्य 08/02/2026 02:14	चंद्र 08/03/2026 04:26
शुक्र 29/11/2025 04:47	सूर्य 09/01/2026 01:22	चंद्र 09/02/2026 13:45	मंगल 11/03/2026 03:27
सूर्य 01/12/2025 14:37	चंद्र 12/01/2026 15:37	मंगल 10/02/2026 14:36	राहु 18/03/2026 18:04
चंद्र 05/12/2025 15:00	मंगल 15/01/2026 03:59	राहु 13/02/2026 06:31	गुरु 25/03/2026 12:24
मंगल 08/12/2025 10:28	राहु 21/01/2026 15:13	गुरु 15/02/2026 15:20	शनि 02/04/2026 13:11
राहु 15/12/2025 15:58	गुरु 27/01/2026 09:12	शनि 18/02/2026 10:48	बुध 09/04/2026 17:39
गुरु 22/12/2025 02:11	शनि 03/02/2026 05:03	बुध 20/02/2026 23:11	केतु 12/04/2026 16:41
चंद्र - चंद्र - सूर्य	चंद्र - मंगल - मंगल	चंद्र - मंगल - राहु	चंद्र - मंगल - गुरु
12/04/2026 16:41	27/04/2026 21:56	10/05/2026 08:13	11/06/2026 07:14
27/04/2026 21:56	10/05/2026 08:13	11/06/2026 07:14	09/07/2026 17:02
सूर्य 13/04/2026 10:56	मंगल 28/04/2026 15:20	राहु 15/05/2026 03:16	गुरु 15/06/2026 02:09
चंद्र 14/04/2026 17:23	राहु 30/04/2026 12:04	गुरु 19/05/2026 09:32	शनि 19/06/2026 14:06
मंगल 15/04/2026 14:41	गुरु 02/05/2026 03:50	शनि 24/05/2026 10:59	बुध 23/06/2026 14:41
राहु 17/04/2026 21:28	शनि 04/05/2026 03:04	बुध 28/05/2026 23:39	केतु 25/06/2026 06:27
गुरु 19/04/2026 22:10	बुध 05/05/2026 21:20	केतु 30/05/2026 20:23	शुक्र 30/06/2026 00:05
शनि 22/04/2026 08:00	केतु 06/05/2026 14:44	शुक्र 05/06/2026 04:13	सूर्य 01/07/2026 10:11
बुध 24/04/2026 11:45	शुक्र 08/05/2026 16:26	सूर्य 06/06/2026 18:35	चंद्र 03/07/2026 19:00
केतु 25/04/2026 09:03	सूर्य 09/05/2026 07:21	चंद्र 09/06/2026 10:30	मंगल 05/07/2026 10:46
शुक्र 27/04/2026 21:56	चंद्र 10/05/2026 08:13	मंगल 11/06/2026 07:14	राहु 09/07/2026 17:02
चंद्र - मंगल - शनि	चंद्र - मंगल - बुध	चंद्र - मंगल - केतु	चंद्र - मंगल - शुक्र
09/07/2026 17:02	12/08/2026 10:41	11/09/2026 15:05	24/09/2026 01:23
12/08/2026 10:41	11/09/2026 15:05	24/09/2026 01:23	29/10/2026 13:38
शनि 15/07/2026 01:14	बुध 16/08/2026 17:18	केतु 12/09/2026 08:29	शुक्र 29/09/2026 23:25
बुध 19/07/2026 19:56	केतु 18/08/2026 11:33	शुक्र 14/09/2026 10:12	सूर्य 01/10/2026 18:02
केतु 21/07/2026 19:09	शुक्र 23/08/2026 12:18	सूर्य 15/09/2026 01:07	चंद्र 04/10/2026 17:03
शुक्र 27/07/2026 10:06	सूर्य 25/08/2026 00:31	चंद्र 16/09/2026 01:58	मंगल 06/10/2026 18:46
सूर्य 29/07/2026 02:35	चंद्र 27/08/2026 12:53	मंगल 16/09/2026 19:22	राहु 12/10/2026 02:36
चंद्र 31/07/2026 22:03	मंगल 29/08/2026 07:08	राहु 18/09/2026 16:07	गुरु 16/10/2026 20:14
मंगल 02/08/2026 21:17	राहु 02/09/2026 19:48	गुरु 20/09/2026 07:53	शनि 22/10/2026 11:11
राहु 07/08/2026 22:43	गुरु 06/09/2026 20:23	शनि 22/09/2026 07:07	बुध 27/10/2026 11:55
गुरु 12/08/2026 10:41	शनि 11/09/2026 15:05	बुध 24/09/2026 01:23	केतु 29/10/2026 13:38

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्टान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रुचिशील रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबंधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार संबंधी कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रुके हुए कार्यों में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।